



# हर्ष विद्या मंदिर (पी जी) कॉलेज

रायसी हरिद्वार उत्तराखंड

ICSSR (नई दिल्ली) द्वारा प्रायोजित एवं चित्रकला विभाग

द्वारा आयोजित



## विषय - "कला, साहित्य और डिजिटल क्रांति"

(HYBRID MODE) दिनांक- ०१ एवं ०२ मार्च २०२४

म्ख्य संरक्षक

#### डा॰ के. पी. सिंह

अध्यक्ष (प्रबंध समिति) एच. वी. एम. (पी.जी) कॉलेज रायसी, हरिद्धार संरक्षक

#### डा॰ प्रभावती

उपाध्यक्षा (प्रबंध समिति) एच. वी. एम. (पी.जी) कॉलेज रायसी, हरिद्धार संरक्षक

### डा॰ हर्ष कुमार दौलत

सचिव (प्रबंध समिति) एच. वी. एम. (पी.जी) कॉलेज रायसी, हरिद्धार

आयोजन निदेशक

#### डा॰ राजेश चन्द्र पालीवाल

प्राचार्य एच. वी. एम. (पी.जी) कॉलेज रायसी, हरिखार संयोजिका

#### डा॰ प्रीती गुप्ता

असिस्टेंट प्रोफेसर (चित्रकला विभाग) एच. वी. एम. (पी.जी) कॉलेज रायसी, हरिद्धार

#### समन्वयक :

डा॰ वर्षा रानी, डा॰ शिल्पी पाल, डा॰ विनीता दहिया, श्रीमती प्रिया प्रधान

## **>>>** महाविद्यालय-एक परिचय **<>>>**

हर्ष विद्या मन्दिर (पी0 जी0) कॉलेज, रायसी, (हरिद्वार) उन शिक्षण संस्थानों में से एक है जिसे जनपद-हरिद्वार के रायसी क्षेत्र के समाजसेवी, लोक हितैषी एवं शिक्षाप्रेमी डा0 के0 पी0 सिंह एवं उनकी पत्नी डा0 प्रभावती के सिक्रय प्रयासों से सन 2005 में हेमवती नन्दन बहुगुणा विश्वविद्यालय श्रीनगर, गढ़वाल द्वारा महाविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की गयी। डा0 के0पी0 सिंह ने हर्ष विद्या मन्दिर (पी0 जी0) कालेज के निर्माण का संकल्प लिया। इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी उच्च शिक्षा सुगमतापूर्वक प्राप्त हो सके। इसी पावन उददेश्य को ध्यान में रखकर जगत नियन्ता की कृपा और माँ सरस्वती के आशीर्वाद से हर्ष विद्या मन्दिर (पी0जी0) कालेज रायसी (हरिद्वार) का स्वप्न साकार हो सका। महाविद्यालय के पास अपना सुदृढ़ विशाल आकर्षक भवन है। भवन पूर्णतः विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थित ढंग से निर्मित हुआ है। भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भूगोल, शिक्षाशास्त्र तथा चित्रकला की समृद्ध प्रयोगशालायें है। सभी प्रयोगशालायें आधुनिकतम उपकरणों से सुसज्जित है। महाविद्यालय का पुस्तकालय भी समस्त विषयों की पाठ्यक्रमानुसार पुस्तकों से सुसज्जित है। महाविद्यालय का अनुकरणीय है। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, जहां प्रवक्ताओं की साधना एवं अध्यापन निष्ठा का प्रतीक है, वहीं छात्र-छात्राओं को अध्ययनार्थ उन्मुख कर, उनमें सुचरित्रता, पारस्परिक सौजन्यता एवं उनके बहुमुखी विकास की ओर उन्मुख करने हेतु महाविद्यालय अविरल प्रयासरत है।

## ♦♦♦ सेमिनार परिचय ♦♦♦

इक्कीसवीं सदी में अब हमारा देश एक नई क्रांति की ओर निहार रहा है। यह क्रांति किसी वर्ग विशेष के लाभार्थ न होकर गरीब से गरीब वर्ग के और खरबपितयों को समान रूप से उपलब्ध कराने की है। हम बात कर रहे है इस युग के डिजिटल क्रांति की। पहले तो यह समझ लें कि यह क्रांति कोई बुरी नहीं है, बल्कि बढ़ते प्रदूषण को कम करने में सहायक है, घटते वनों को संरक्षित करने में लाभकारी हो सकती है, ऊँच-नीच के भेदभाव पर समानता का संदेश दे सकती है। किसी भी काम में लगने वाली कागजी कार्रवाई को डिजिटल क्रांति समाप्त करने प्रयासरत है। जब कागज का उपयोग नहीं होगा तो हमारे जंगल भी हरे-भरे रह सकेंगे। दुनिया भर के काम-काज को पेपरलेस बनाने की कोशिश और छोटे से छोटे तथा बड़े से बड़े काम को कम्प्यूटर के जिये संपन्नता देना ही डिजिटल क्रांति है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर चल रही डिजिटल क्रांति ने अखण्ड विश्व के चिरत्र और चेहरे को काफी तेजी से बदलना शुरू कर रखा है। इस नई इलेक्ट्रानिक के जन्म ने विकास को अमलीजामा पहनाया है। शिक्षण-प्रशिक्षण के क्षेत्र को समृद्धता के दायरे से जोड़ा है। यही कारण है कि दुनिया के हर कोने में डिजिटल तकनीक को विस्तार देने का काम गंभीरता के साथ किया जारहा है।

- 🔷 कला में डिजिटल कला का युगारंभ
- 🔷 सामाज पर डिजिटल क्रांति का प्रभाव
- 🔷 भारत और डिजिटल क्रांति
- 🔷 साहित्य और डिजिटल क्रांति
- 🔷 वैश्विक विकास में टेक्नोलॉजी का योगदान
- 🔷 पर्यावरण एवं डिजिटल क्रांति
- 🔷 इतिहास संरक्षण में डिजिटल क्रांति का योगदान

- 💸 आर्थिक विकास में डिजिटल क्रांति का योगदान
- 🔷 राजनीति पर डिजिटल क्रांति का प्रभाव
- 🔷 शिक्षा पर डिजिटल क्रांति का प्रभाव
- 🔷 संगीत पर डिजिटल क्रांति का प्रभाव
- ቊ पर्यटन एवं डिजिटल क्रांति
- 🔷 विज्ञान एवं डिजिटल क्रांति
- 🔷 अन्य संबंधित विषय

## **\*\*** सलाहकार समिति **\*\***

पद्मश्री श्याम शर्मा, अन्तर्राष्ट्रीय स्वतन्त्र कलाकार पटना, बिहार प्रोफेसर दिनेश चन्द्र शास्त्री, कुलपित, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हिरद्वार कला भूषण डॉ राजेंद्र सिंह पुंडीर, डी लिट्, अध्यक्ष उत्कर्ष लित कला एकेडमी उ० प्र0 लखनऊ[ प्रोफेसर शेखर चंद्र जोशी, डीन एकेडिमक, चित्रकला विभाग, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय पिरसर, अल्मोड़ा, उत्तराखंड डॉ रीता प्रताप, रिटायर्ड एसोसिएट प्रोफेसर एव विभागाध्यक्ष, चित्रकला विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर प्रोफेसर एल एन मिश्रा, डायरेक्टर फैकेल्टी डेवलपमेंट सेंटर, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम डॉ धन सिंह बिष्ट, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, चित्रकला विभाग, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर, उत्तराखंड

### आयोजन समिति

डा० अजीत राव, डा० प्रशांत कुमार, डा० मुरली सिंह, डॉ विकास तायल, डा० पूनम रानी, डा० विनीता, डा० दुर्गा रजक, डा० विक्रम सिंह, डॉ के. पी. तोमर, डॉ सुरजीत कौर, डा० अतुल कुमार दुबे, डा० निधि गुप्ता, रणजीत सिंह,

### तकनीकी सहयोग

डा० निशा पाल, डा० राहुल कौशिक, डा० परीक्षित, अक्षय गौतम

### आयोजक सदस्य

डॉ मनोज कुमार, डॉ हरीश राम, डा॰ रणवीर सिंह, डा॰ सरला भारद्वाज, डॉ नीटू राम, डॉ ललित मोहन, श्री कुलदीप कुमार, डॉ विक्की तोमर, डॉ दीपिका भट्ट, डा० मीनू देवी, डॉ वंदना नौटियाल, डॉ स्मृति कुकशाल, डॉ सारिकामाहेश्वरी, डॉ अनुज कन्डवाल, डॉ रश्मि डोभाल, डॉ मंजू बानिया, डॉ नेहा सिंह, डॉ प्रियंका सैनी,

डॉ अलका हरित, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ हेमंत पंवार, डॉ अश्विनी कुमार, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ नरेंद्र कुमार, डॉ इकराम, श्रीमती अंजू बर्छीवाल, श्री अमूल त्यागी,

## 👐 शोध पत्र प्रेषण/ प्रकाशन 🗫

प्रतिभागी शोध पत्र/आलेख (शब्द सीमा 2500-5000) एवं शोध सारांश (शब्द सीमा 300 अधिकतम) एमएस वर्ड फाइल के हिंदी में कृति देव 10 फोंट माप 12 अथवा अंग्रेजी में TIMES NEW ROMAN Font size 12 drpritihvmsemi22@gmail.com पर प्रेषित कर सकते हैं। चयनित शोध पत्रों को एक पुस्तक के रूप में एक प्रतिष्ठित प्रकाशन के द्वारा प्रकाशित कराया जाएगा। प्रकाशन शुल्क देय होगा।

# 👐 महत्वपूर्ण तिथियां 🗫

पंजीकरण प्रारंभ – 25- 01- 2024 शोध पत्र जमा करने की अंतिम तिथि- 20-2-2024 पंजीकरण लिंक-

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSe-\_q8nWaVXLNq7F1Et8 nrdisCt7BkFcNcOUzxm7puAwJv7IQ/viewform?usp=sf\_link

व्हात्सप्प ग्रुप लिंक-

https://chat.whatsapp.com/JS55bSCZueYAbmcAV08o7n

रजिस्ट्रेशन शुल्क कृपया पंजीकरण शुल्क रसीद एवं शोधपत्रों को drpritihvmsemi22@gmail.com ईमेल पते पर भेजें

अध्यापक - 800

शोध छात्र - 500

ভার - 300

पंजीकरण शुल्क -

G.PAY: 8909425500

SBI AC HOLDER NAME- PREETI

AC NO.- 38947695846 IFSC-SBIN0006410



सम्पर्क: हर्ष विद्या मंदिर (पी जी) कॉलेज रायसी, हरिद्वार, उत्तराखंड मो०-8909425500, 9457423921, 9719546744 ई मेल: drpritihvmsemi22@gmail.com